

विक्षिप्त वि. (तत्.) 1. किसी वस्तु को फेंका या बिखेरा गया, छितराया हुआ 2. छोड़ा हुआ 3. व्यग्र, व्याकुल 4. जिसका मन-मस्तिष्क ठीक से कार्य न करता हो, पागल 5. पुं. योग की पाँच अवस्थाओं में से एक जिसमें चित्तवृत्ति प्रायः अस्थिर हो जाती है।

विक्षिप्तता स्त्री. (तत्.) 1. विक्षिप्त होने की अवस्था या भाव 2. पागलपन 3. उन्माद।

विक्षुब्ध वि. (तत्.) 1. जो बहुत अधिक क्षुब्ध हो, उद्विग्न, परेशान 2. जिसका मन शांत या स्थिर न हो, अशांत 3. अस्तव्यस्त।

विक्षेप पुं. (तत्.) 1. किसी वस्तु को इधर-उधर बिखेरना, फेंकना 2. इधर-उधर धूमना 3. हिलाना, चिल्ला चढ़ाना 4. घबड़ाहट 5. चित्त की अस्थिरता 6. अपशब्द कहना 7. तर्क का खंडन 8. शिविर 9. एक रोग 10. अक्षरेखा 11. बाधा, रुकावट न्याय. प्रतिवाद द्वारा किसी कार्य के बहाने बहस को टाल देने की निग्रह स्थान चिकि. शरीर जन्य रोग के एक भाग से दूसरे भाग में हो जाना मनो. मानव मन की कुंठाग्रस्त वह स्थिति जिसमें व्यक्ति अप्रिय एवं भयावह परिस्थितियों की ओर से अपना ध्यान हटा लेता है भौति. यंत्र की सुई का शून्य बिंदु से इधर उधर विचलित होना।

विक्षेपण पुं. (तत्.) 1. किसी वस्तु को इधर-उधर फेंकना, बिखेरना 2. झटका देना 3. धनुष की डोरी खींचना 4. भूल के कारण होने वाली घबराहट 5. मन की अशांति।

विक्षोभ पुं. (तत्.) 1. एक प्रकार का मन का आवेग, उद्विग्नता 2. गति 3. भय 4. उथल-पुथल 5. संघर्ष 6. पार्श्व।

विक्षोभी वि. (तत्.) 1. विक्षोभ उत्पन्न करने वाला 2. उथल-पुथल करने वाला।

विखंड वि. (तत्.) कई खंडों में बँटा हुआ, खंड-खंड किया हुआ।

विखंडन पुं. (तत्.) 1. कई छोटे-छोटे टुकड़ों में विभक्त 2. खंडन करने का कार्य भौति. किसी

भारी परमाणु के नाभिक का हल्के व छोटे-छोटे नाभिकों में खंडित होना।

विखंडित वि. (तत्.) 1. जिसका विखंडन किया गया हो 2. छोटे-छोटे खंडों में/टुकड़ों में बँटा हुआ 3. अंग भंग किया हुआ 4. विघटित किया गया तर्क. जिस तथ्य का खंड किया गया हो।

विख वि. (तद्.) 1. नासिकाहीन 2. पुं. विष, जहर।

विखाद पुं. (तत्.) 1. खाना, निगलना 2. नष्ट करना 3. विषाद।

विखान/विखाण पुं. (तद्.) विषाण, सींग।

विखानस पुं. (तद्.) एक मुनि।

विख्यात पुं. (तत्.) 1. प्रसिद्ध, मशहूर 2. जाना हुआ, सर्वविदित 3. नामधारी 4. स्वीकार किया हुआ।

विख्याति स्त्री. (तत्.) 1. किसी विशिष्ट उपलब्धि या गुणों के कारण जो व्यापक क्षेत्र में लोगों द्वारा जाना जाता हो 2. शोहरत।

विख्यापन पुं. (तत्.) 1. किसी वस्तु/विषय से संबंधित विशिष्ट कथन, जापन 2. प्रसिद्ध करना 3. घोषण करना 4. व्याख्या करना 5. स्वीकार करना।

विख्यापित वि. (तत्.) 1. जिसके बारे में विशेष रूप से बताया गया हो 2. घोषित, प्रसिद्ध किया हुआ।

विगंध वि. (तत्.) 1. जो गंध रहित हो, गंधहीन 2. जो दुर्गंध युक्त हो, बदबूदार।

विगंधकन/विगंधकीकरण पुं. (तत्.) 1. किसी विषय या रासायनिक यौगिक में से गंधक निकालने की एक विशेष क्रिया 2. किसी पदार्थ को गंधक रहित करना।

विगत वि. (तत्.) 1. जो पहले बीत चुका हो, बीता हुआ 2. बीते हुए से पूर्व का 3. नष्ट 4. इधर-उधर गया हुआ 5. रहित 6. मृत विलो. आगामी।

विगति स्त्री. (तत्.) 1. दुर्दशा, दुर्गति 2. बुरी अवस्था।

विगर्हण पुं. (तत्.) 1. डाँटना, फटकारना, डाँट-डपट 2. निंदा, भर्त्सना।